**भास्कर एक्सक्लूसिव** • वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए शुरू किए जाएंगे कम अवधि के कोर्स, झारखंड में स्टार्टअप के अपार अवसर

## भास्कर सवाल: मैनेजमेंट एजुकेशन में क्या हैं आपकी प्राथमिकताएं...

# आईआईएम डायरेक्टर बोले- रिसर्च व एग्जिक्यूटिव एजुकेशन प्राथमिकता, दूसरे देशों से बुलाएंगे प्रोफेसर

क्रांति दीप | रांची

प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ।

आईआईएम रांची अब अपने नए कैंपस में शिफ्ट हो गया है, जहां पर सभी विभागों की क्लास नियमित रूप से चल रही है। इस सत्र के लिए प्लेसमेंट प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। आईआईएम रांची में अभी एमबीए, एमबीए-एचआर, एमबीए बीए, आईपीएम, एग्जिक्यूटिव एमबीए, ई-पीएचडी, पीएचडी पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। इस बीच आईआईएम रांची को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर पहचान दिलाने के लिए संस्थान की ओर से काम किए जा रहे हैं। आने वाले समय में संस्थान के विजन व गतिविधियों के बारे में **संस्थान के डायरेक्टर प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने दैनिक भास्कर को जानकारी दी।**

## आईआईएम रांची ने विश्व के कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के साथ किया है एमओयू

### अंतरराष्ट्रीय मानकों पर एक्रिडिएशन के लिए किया जा रहा है काम

कहा कि विविधता, अंतरराष्ट्रीयकरण, एग्जिक्यूटीव एजुकेशन एवं शोध आईआईएम की प्राथमिकताएं है। आईआईएम रांची अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम, प्राध्यापकों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों जैसे एएसीएसबी, इक्यूएआईएस व एमबीए से एक्रिडिएशन की प्रक्रिया पर काम किया जा रहा है। संस्थान द्वारा विश्व के कई प्रसिद्ध विवि के साथ एमओयू हुआ है। जिसके अंतर्गत संस्थान के छात्र अन्य देशों के विवि में कुछ समय के लिए जाकर अध्ययन कर सकते हैं। साथ ही दूसरे देशों के प्राध्यापकों को भी आईआईएम रांची में आमंत्रित किया जाएगा।

### तकनीकी व परंपरागत क्षेत्रों में स्टार्टअप और इनोवेशन की प्रबल संभावनाएं

भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रोफेशन के लिए कम अवधि के पाठ्यक्रमों को शुरू किया जाएगा, जिसका संचालन ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यम से किया जाएगा। इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम के विकास में आईआईएम रांची महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। झारखंड राज्य में तकनीकी तथा परंपरागत क्षेत्रों में स्टार्टअप तथा इनोवेशन की भी प्रबल संभावनाएं है। झारखंड राज्य में सांस्कृतिक विविधता तथा आवागमन की सुविधा के कारण विकास की प्रबल संभावनाएं है।

### झारखंड पुलिस व अन्य संस्थानों के साथ प्रशिक्षण शोध कार्य के लिए एमओयू

आईआईएम रांची एक विश्वोन्मुख तथा स्थानीय रूप से जिम्मेदार संस्थान के रूप में विकसित हो रहा है। अंतरराष्ट्रीयकरण के साथ-साथ राज्य के विभिन्न विभागों व अन्य क्षेत्रों में भी कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के रूप में सहयोग प्रदान कर रहा है। इसके तहत राज्य के स्कूलों के प्रधानाध्यापकों का प्रशिक्षण, देश भर के पोस्टमास्टर जनरल प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ है। इसके साथ ही आईआईएम रांची का झारखंड पुलिस तथा अन्य संस्थानों के साथ प्रशिक्षण तथा शोध कार्य के लिए एमओयू हुआ है।

Danik Bhaskar, 15.02.2023, Pg. 03